कक्षा–9 सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा का ज्ञान –
मिलता है जीवन दान

पाठ्यक्रम :

1. कक्षा आठ में सीखी गई सड़क सुरक्षा सम्बन्धित बातों को दोहरानां

2. सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विष्लेशण करना –
   - – युवा वर्ग में तीव्र गति से वाहन चलाने की आदतं
   - – षराब पीकर गाड़ी चलानां
   - – लाल बत्ती की परवाह न करके आगे निकल जानां
   - – मोबाइल फोन पर बातें करनां
   - – गाड़ी की उचित देखभाल न करने पर उसमें खराबी होना, ब्रेक फेल होना, टायर फटना आदिं
   - – बालिग होने से पहले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलानां

3. सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय –
   - – सड़क सुरक्षा के नियम विनियमों की जानकारी का प्रचार करें
   - – माता–पिता नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलाने दें तथा उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें
   - – सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वालों को समझाएँ
   - – गाड़ी की नियमित रूप से देखभाल करें
   - – गाड़ी की गति पर नियंत्रण करें
   - – बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रषिक्षण दें

कहानी

राजू छुट्टी के दिन अपने पड़ोस के मित्र अरविन्द के साथ साइबर कैफ़े जाता थां वहाँ वे दोनों कार रेस लगाने वाली वीडियो गेम खेला करते थें राजू को कार चलाने का बहुत षौक थां नाबालिग होने के कार ण उसके पिता उसे गाड़ी नहीं चलाने देते थें वीडियो गेम खेलते हुए उसे लगता कि वह सचमुच कार चला रहा है और गेम में जीतने पर खुषी से चिल्लाने लगतां

एक दिन अरविन्द ने राजू से पूछा, '' क्या तुम सचमुच कार चला सकते हो?''

हाँ, मैं कार चला सकता हूं मुझे कार चलाने के बारे में सब पता हैं लेकिन पापा तो मुझे अपनी कार को हाथ तक लगाने नहीं देतें'' राजू ने लंबी साँस लेते हुए कहां ''पर राजू , तुम्हारे पापा सही करते हैं क्योंकि अभी हम इतने बड़े नहीं हुए कि कार चला सकें'' अरविंद ने उसे समझाते हुए कहां

''पर मेरे कमलेष्वर अंकल का बेटा सोमू कार चलाता हैं वह भी तो 13 वर्श का हैं मैंने उसे अपने ड्राइवर की बगल में बैठकर कार चलाते हुए देखा हैं तो फिर मैं कार क्यों नहीं चला सकता?'' राजू ने कहां '' पर राजू ड्राइवर के साथ बैठकर कार चलाने और अकेले कार चलाने में फर्क होता हैं अगर तुम चाहो तो तुम मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखने के लिए अपने पापा से पूछ सकते हों'' अरविंद ने कहां

''पर मेरे पापा तो ऑफिस के काम से बाहर गए हैं वे 15 दिन बाद लौटेंगें'' राजू इतना कहकर चुप हो गयां अरविंद ने राजू को चुप बैठे देखा तो बोला, ''तुम उदास न हो, हम चुपचाप मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखेंगें अभी तो हमारे स्कूल की भी छुट्टियाँ हैं'' अरविंद की बात सुनकर राजू बहुत खुष हो गया और बोला, ''थैंक्स यार! यह तो बहुत ही अच्छा आइडिया हैं मैं तुम्हारे ड्राइवर से कार चलाना सीख सकता हूँ''

अरविंद ने ड्राइवर से पूछा तो वे गाड़ी सिखाने के लिए तैयार हो गयां उनके हाँ करने पर राजू खुषी से फूला नहीं समा रहा था क्योंकि कार चलाने का उसका सपना पूरा होने वाला थां दोनों मित्र ड्राइवर भैया, जिनका नाम संजय था, के साथ गाड़ी सीखने के लिए मालरोड गएं ड्राइवर ने पहले उन दोनों को कार के अलग– अलग पुर्जों, जैसे– ब्रेक, गियर बॉक्स, स्टीयरिंग व्हील, सीट बेल्ट के बारे में बताया उसके बाद वह खुद कार चलाने लगा और बारी–बारी से उन दोनों को भी कार चलाने के लिए स्टीयरिंग व्हील देने लगां परन्तु उसने उन दोनों को पूरी तरह कार चलाने के लिए कभी नहीं दीं राजू ने घर में किसी को भी अरविंद के ड्राइवर से कार चलाना सीखने के बारे में नहीं बतायां

अगले दिन रविवार थां स्कूल की छुट्टियाँ भी खत्म हो रहीं थीं अरविंद का ड्राइवर काम पर नहीं आयां राजू निराष हुआ पर दूसरे ही क्षण उसने अरविंद से कहा '' चलो हम दोनों अपने आप कार चलाने चलते हैं तुम्हारे पापा अभी वापिस नहीं आए हैं और हम दोनों कार चलाना भी सीख गए हैं'' राजू ने कहां

'' नहीं, अभी हम अपने आप कार नहीं चला सकते

और हमारे पास नाबालिग होने के कारण ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं हैं'' अरविंद ने कहां यह सुनकर राजू बहुत उदास हो गयां राजू को उदास देखकर अरविंद ने अकेले कार चलाने के लिए हाँ कर दीं दोनों ने अपने आप कार निकाली और घर के पास सर्विस लेन में चलाने लगें पहले अरविंद ने कार चलाईं उसे कार चलाते देख राजू बोला, ''अरे वाह ! अरविंद तुम तो बहुत अच्छी कार चलाना सीख गए हों'' यह सुनकर अरविंद खुष हो गया और तेज कार चलाने लगां राजू ने स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखा हुआ थां षाम हो गई थी पर सड़क की बत्तियाँ अभी नहीं जली नहीं थीं कुछ लोग षाम की सैर कर रहे थें राजू ने देखा दो व्यक्ति सड़क के बीचोंबीच धीरे–धीरे चल रहे थें अरविंद ने हॉर्न दबाया, परन्तु वह नहीं बजां ''अरें ! अरविंद क्या कर रहे हो ?'' तब तक कार उन व्यक्तियों तक पहुंच गई थीं

''ब्रैक लगाओ अरविंद !'' राजू चिल्लायां

अरविंद ने नीचे देखकर ब्रेक लगाने की कोषिष की तो पैर एक्सलरेटर पर जा पड़ा और कार और तेज़ हो गईं उनमें से एक व्यक्ति जो सड़क की ओर चल रहा था कार की चपेट में आ गया और कार के पहिए के साथ घिसटता चला गयां अरविंद बौखला गयां राजू ने कार को मोड़कर सीधा करने की कोषिष की तो वह एक पीछे से आते हुए स्कूटर से टकरा गई और फिर डिवाइडर से टकराकर रुक गईं

राजू और अरविंद को गाड़ी के एयर बेग खुल जाने से ज्यादा चोट नहीं लगी, परंतु व्यक्ति को कार से टक्कर लगी थी उसकी कमर की हड्डी टूट गईं

राजू और अरविंद दोनों को पुलिस ने घटना स्थल पर आकर हिरासत में ले लियां उन दोनों के घर के लोग पुलिस थाने गए और ज़मानत पर छोड़ दियां राजू और अरविंद को इस दुर्घटना से बहुत बड़ा धक्का लगा और उन्होंने बालिग होने तक कभी भी अकेले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कार न चलाने का वायदा कियां

प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. साइबर कैफ़े में जाकर दोनों मित्र क्या करते थे ?
2. दोनों मित्रों का गाड़ी चलाना सही था या नहीं ? कारण सहित बताइएं
3. अरविंद समय पर ब्रेक क्यों नहीं लगा पाया ?
4. व्यक्ति के कार से टकराने पर क्या हुआ ?
5. इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

गतिविधियाँ

1. 'सड़क सुरक्षा' पर पोस्टर बनाकर अपनी कक्षा में तथा स्कूल के प्रांगण में लगाइएं
2. बच्चों को इंटरनेट के लाभ तथा नुकसान के बारे में बताइएं
3. अपने पड़ोस तथा आस पास के इलाके में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में बताइएं
4. यदि कोई भी गाड़ी चलाने का प्रषिक्षण देने वाली संस्था बिना ठीक से प्रषिक्षण दिए लाइसेंस दिलवाती है तो उसकी षिकायत करते हुए एक पत्र लिखिएं

5. अखबारों में प्रतिदिन आने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चित्र और खबरें एकत्रित करके स्कूल और कक्षा के नोटिस बोर्ड पर लगाइएं

6. दुर्घटना स्थल पर दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बताइए और उसका अभ्यास कराइएं

7. कक्षा को दो समूहों में बांटिएं ''पुलिस के भय से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए या नहीं'' विशय पर दोनों समूहों से आपस में चर्चा करके अपने विचार बताने के लिए कहिएं

अभ्यास :

(अ) निम्नलिखित का उपयोग क्यों किया जाता है ?
हैलमेट, सीट–बेल्ट, ब्रेक, डिक्की, साइलेंसर, साइड इंडीकेटर

(ब) 'कर' प्रत्यय लगाकर तीन षब्द लिखें
थककर .....
....

(स) कहानी में से क्रिया विषेशण षब्द छांटिएं

(द) निम्नलिखित षब्दों से असंगत षब्दों पर **x** का निषान लगाइएं
बौनट, दुर्घटना, सीट बेल्ट, ब्रेक, पुलिस

मोटर यान कानून 1988–धारा 4

मोटर यान चलाने के संबंध में आयु सीमा

1) कोई भी व्यक्ति, जो अठारह वर्श से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में मोटर यान नहीं चलाएगां परंतु कोई व्यक्ति सोलह वर्श की आयु का होने के पष्चात् किसी सार्वजनिक स्थान में (50 सी.सी. से अनधिक क्षमता वाली) मोटर साइकिल चला सकेगां

2) धारा 18 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई भी व्यक्ति, जो बीस वर्श से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में परिवहन यान नहीं चलाएगां

3) कोई षिक्षार्थी– अनुज्ञप्ति उस वर्ग के लिए, जिसके लिए उसने आवेदन किया है, उस यान को चलाने के लिए किसी व्यक्ति को तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि वह इस धारा के अधीन उस वर्ग के यान को चलाने के लिए पात्र नहीं हैं

d{kk&9 I Mel I qj{kk

I Mel I qj{kk dk Kku & feyrk gSt hou nku

i kB; e %

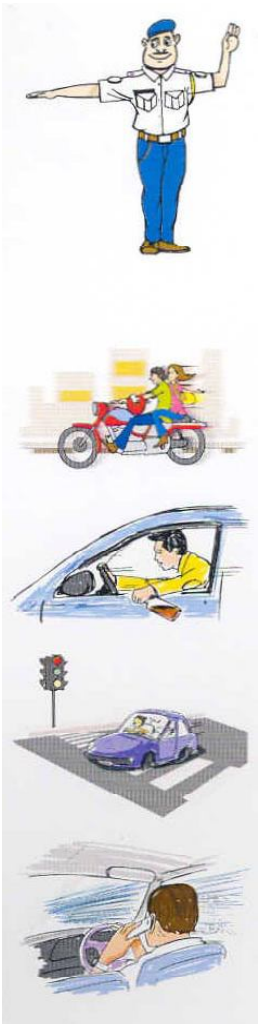

1- कक्षा आठ में सीखी गई सड़क सुरक्षा सम्बन्धित बातों को दोहराना।

2- सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करना –
- – युवा वर्ग में तीव्र गति से वाहन चलाने की आदत।
- – शराब पीकर गाड़ी चलाना।
- – लाल बत्ती की परवाह न करके आगे निकल जाना।
- – मोबाइल फोन पर बातें करना।
- – गाड़ी की उचित देखभाल न करने पर उसमें खराबी होना, ब्रेक फेल होना, टायर फटना आदि।
- – बालिग होने से पहले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाना।

3- सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय –
- – सड़क सुरक्षा के नियम विनियमों की जानकारी का प्रचार करें।
- – माता–पिता नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलाने दें तथा उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें।
- – सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वालों को समझाएँ।
- – गाड़ी की नियमित रूप से देखभाल करें।
- – गाड़ी की गति पर नियंत्रण करें।
- – बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दें।

d gkuh

राजू छुट्टी के दिन अपने पड़ोस के मित्र अरविन्द के साथ साइबर कैफ़े जाता था। वहाँ वे दोनों कार रेस लगाने वाली वीडियो गेम खेला करते थे। राजू को कार चलाने का बहुत शौक था। नाबालिग होने के कारण उसके पिता उसे गाड़ी नहीं चलाने देते थे। वीडियो गेम खेलते हुए उसे लगता कि वह सचमुच कार चला रहा है और गेम में जीतने पर खुशी से चिल्लाने लगता।

एक दिन अरविन्द ने राजू से पूछा, '' क्या तुम सचमुच कार चला सकते हो?''

हाँ, मैं कार चला सकता हूं। मुझे कार चलाने के बारे में सब पता है। लेकिन पापा तो मुझे अपनी कार को हाथ तक लगाने नहीं देते।'' राजू ने लंबी साँस लेते हुए कहा। ''पर राजू , तुम्हारे पापा सही करते हैं। क्योंकि अभी हम इतने बड़े नहीं हुए कि कार चला सकें।'' अरविंद ने उसे समझाते हुए कहा।

''पर मेरे कमलेश्वर अंकल का बेटा सोमू कार चलाता है। वह भी तो 13 वर्ष का है। मैंने उसे अपने ड्राइवर की बगल में बैठकर कार चलाते हुए देखा है। तो फिर मैं कार क्यों नहीं चला सकता?'' राजू ने कहा। '' पर राजू ड्राइवर के साथ बैठकर कार चलाने और अकेले कार चलाने में फ़र्क होता है। अगर तुम चाहो तो तुम मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखने के लिए अपने पापा से पूछ सकते हो।'' अरविंद ने कहा।

''पर मेरे पापा तो ऑफिस के काम से बाहर गए हैं। वे 15 दिन बाद लौटेंगे।'' राजू इतना कहकर चुप हो गया। अरविंद ने राजू को चुप बैठे देखा तो बोला, ''तुम उदास न हो, हम चुपचाप मेरे ड्राइवर से कार चलाना सीखेंगे। अभी तो हमारे स्कूल की भी छुट्टियाँ हैं।'' अरविंद की बात सुनकर राजू बहुत खुश हो गया और बोला, ''थैंक्स यार! यह तो बहुत ही अच्छा आइडिया है। मैं तुम्हारे ड्राइवर से कार चलाना सीख सकता हूँ।''

अरविंद ने ड्राइवर से पूछा तो वे गाड़ी सिखाने के लिए तैयार हो गया। उनके हाँ करने पर राजू खुशी से फूला नहीं समा रहा था क्योंकि कार चलाने का उसका सपना पूरा होने वाला था। दोनों मित्र ड्राइवर भैया, जिनका नाम संजय था, के साथ गाड़ी सीखने के लिए मालरोड गए। ड्राइवर ने पहले उन दोनों को कार के अलग– अलग पुर्जों, जैसे– ब्रेक, गियर बॉक्स, स्टीयरिंग व्हील, सीट बेल्ट के बारे में बताया उसके बाद वह खुद कार चलाने लगा और बारी–बारी से उन दोनों को भी कार चलाने के लिए स्टीयरिंग व्हील देने लगा। परन्तु उसने उन दोनों को पूरी तरह कार चलाने के लिए कभी नहीं दी। राजू ने घर में किसी को भी अरविंद के ड्राइवर से कार चलाना सीखने के बारे में नहीं बताया।

अगले दिन रविवार था। स्कूल की छुट्टियाँ भी खत्म हो रहीं थीं। अरविंद का ड्राइवर काम पर नहीं आया। राजू निराश हुआ पर दूसरे ही क्षण उसने अरविंद से कहा '' चलो हम दोनों अपने आप कार चलाने चलते हैं। तुम्हारे पापा अभी वापिस नहीं आए हैं और हम दोनों कार चलाना भी सीख गए हैं।'' राजू ने कहा।

'' नहीं, अभी हम अपने आप कार नहीं चला सकते

और हमारे पास नाबालिग होने के कारण ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है।'' अरविंद ने कहा। यह सुनकर राजू बहुत उदास हो गया। राजू को उदास देखकर अरविंद ने अकेले कार चलाने के लिए हाँ कर दी। दोनों ने अपने आप कार निकाली और घर के पास सर्विस लेन में चलाने लगे। पहले अरविंद ने कार चलाई। उसे कार चलाते देख राजू बोला, ''अरे वाह ! अरविंद तुम तो बहुत अच्छी कार चलाना सीख गए हो।'' यह सुनकर अरविंद खुश हो गया और तेज कार चलाने लगा। राजू ने स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखा हुआ था। शाम हो गई थी पर सड़क की बत्तियाँ अभी नहीं जली नहीं थी। कुछ लोग शाम की सैर कर रहे थे। राजू ने देखा दो व्यक्ति सड़क के बीचोंबीच धीरे–धीरे चल रहे थे। अरविंद ने हॉर्न दबाया, परन्तु वह नहीं बजा। ''अरें ! अरविंद क्या कर रहे हो ?'' तब तक कार उन व्यक्तियों तक पहुंच गई थी।

''ब्रैक लगाओ अरविंद !'' राजू चिल्लाया।

अरविंद ने नीचे देखकर ब्रेक लगाने की कोशिश की तो पैर एक्सलरेटर पर जा पड़ा और कार और तेज़ हो गई। उनमें से एक व्यक्ति जो सड़क की ओर चल रहा था कार की चपेट में आ गया और कार के पहिए के साथ घिसटता चला गया। अरविंद बौखला गया। राजू ने कार को मोड़कर सीधा करने की कोशिश की तो वह एक पीछे से आते हुए स्कूटर से टकरा गई और फिर डिवाइडर से टकराकर रुक गई।

राजू और अरविंद को गाड़ी के एयर बेग खुल जाने से ज्यादा चोट नहीं लगी, परंतु व्यक्ति को कार से टक्कर लगी थी उसकी कमर की हड्डी टूट गई।

राजू और अरविंद दोनों को पुलिस ने घटना स्थल पर आकर हिरासत में ले लिया। उन दोनों के घर के लोग पुलिस थाने गए और ज़मानत पर छोड़ दिया। राजू और अरविंद को इस दुर्घटना से बहुत बड़ा धक्का लगा और उन्होंने बालिग होने तक कभी भी अकेले बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कार न चलाने का वायदा किया।

प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1- साइबर कैफ़े में जाकर दोनों मित्र क्या करते थे ?
2- दोनों मित्रों का गाड़ी चलाना सही था या नहीं ? कारण सहित बताइए।
3- अरविंद समय पर ब्रेक क्यों नहीं लगा पाया ?
4- व्यक्ति के कार से टकराने पर क्या हुआ ?
5- इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

गतिविधियाँ

1- 'सड़क सुरक्षा' पर पोस्टर बनाकर अपनी कक्षा में तथा स्कूल के प्रांगण में लगाइए।
2- बच्चों को इंटरनेट के लाभ तथा नुकसान के बारे में बताइए।
3- अपने पड़ोस तथा आस पास के इलाके में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में बताइए।
4- यदि कोई भी गाड़ी चलाने का प्रशिक्षण देने वाली संस्था बिना ठीक से प्रशिक्षण दिए लाइसेंस दिलवाती है तो उसकी शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए।

5. अखबारों में प्रतिदिन आने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चित्र और खबरें एकत्रित करके स्कूल और कक्षा के नोटिस बोर्ड पर लगाइए।
6. दुर्घटना स्थल पर दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के बारे में बताइए और उसका अभ्यास कराइए।
7. कक्षा को दो समूहों में बांटिए। ''पुलिस के भय से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए या नहीं'' विषय पर दोनों समूहों से आपस में चर्चा करके अपने विचार बताने के लिए कहिए।

अभ्यास :

.v‰ निम्नलिखित का उपयोग क्यों किया जाता है ?
हैलमेट, सीट–बेल्ट, ब्रेक, डिक्की, साइलेंसर, साइड इंडीकेटर

.c‰ 'कर' प्रत्यय लगाकर तीन शब्द लिखें।
थककर .....
....

.l.‰ कहानी में से क्रिया विशेषण शब्द छांटिए।

.n‰ निम्नलिखित शब्दों से असंगत शब्दों पर **x** का निशान लगाइए।
बौनट, दुर्घटना, सीट बेल्ट, ब्रेक, पुलिस

मोटर यान कानून 1988–धारा 4

मोटर यान चलाने के संबंध में आयु सीमा

1) कोई भी व्यक्ति, जो अठारह वर्ष से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में मोटर यान नहीं चलाएगा। परंतु कोई व्यक्ति सोलह वर्ष की आयु का होने के पश्चात् किसी सार्वजनिक स्थान में (50 सी.सी. से अनधिक क्षमता वाली) मोटर साइकिल चला सकेगा।

2) धारा 18 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई भी व्यक्ति, जो बीस वर्ष से कम आयु का है, किसी सार्वजनिक स्थान में परिवहन यान नहीं चलाएगा।

3) कोई शिक्षार्थी– अनुज्ञप्ति उस वर्ग के लिए, जिसके लिए उसने आवेदन किया है, उस यान को चलाने के लिए किसी व्यक्ति को तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि वह इस धारा के अधीन उस वर्ग के यान को चलाने के लिए पात्र नहीं है।